भाजपा के 45वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश मुख्यालय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनसंघ के सफर से विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल बनने तक के सफर पर आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और अवलोकन किया।

मु.मंत्री भजनलाल ने भाजपा के स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

भाजपा मुख्यालय पर आयोजित प्रदर्शनी में भाजपा के जन संघ से लेकर विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनने तक के सफर को दर्शाया गया है

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने दीप जलाकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, आज़ादी के बाद महात्मा गांधी ने कहा था, कांग्रेस का कोई ''परपज़'' नहीं है इसे खत्म कर देना चाहिए।
- भाजपा की प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने ध्वजारोहण किया। वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और 6 अप्रैल 1980 को दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में भाजपा के गठन की यादें ताजा की।

जयपुर, 6 अप्रैल (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में भाजपा की जनसंघ से हुई शुरुआत से लेकर विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल बनने तक के सफर को दर्शाया गया। इस अवसर भाजपा की प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, आजादी मिलने के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि, अब कांग्रेस का कोई परपज़ नहीं है इसे खत्म कर देना चाहिए। अंतरिम सरकार बनने के बाद देश में दो विचारधाराएं बनीं, एक विचारधारा वह थी जो नि:स्वार्थ भाव से राष्ट्र और भारत माता की सेवा के लिए समर्पित थे। दूसरी विचारधारा में कुछ स्वार्थी लोग थे, जिन्होंने सदैव अपने हितों को देश से आगे रखा। 21 अक्टूबर 1951 को श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल जैसे राष्ट्रवादी लोगों ने जनसंघ की नींव रखी और एक ध्येय के साथ आगे बढ़े। कश्मीर को लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विज़न स्पष्ट था, उन्होंने कहा था कि, इस देश में दो विधान, दो प्रधान नहीं चल सकते। उन्हीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा पर चलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर अपने संकल्प को पूरा किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं को आव्हान करते हुए कहा कि, आप लोग याद कीजिए, 1975 का आपातकाल, जब पत्रकारों, युवाओं और कार्यकर्ताओं को जेल में डालने का काम किया गया था। उस दौर में कांग्रेस के अत्याचारों से हर वर्ग दुखी था, केवल एक ही परिवार की राजनीति करने वाले लोगों ने राष्ट्र के मूल्यों पर कुठाराघात किया। ऐसे में देश के भीतर 06 अप्रैल 1980 को भाजपा की स्थापना हुई, और यह वो राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता साल के 365 दिन, महीने के 30 दिन और 24 घंटे काम करता है। इन सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत के बूते ही भाजपा आज देश और विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बना।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि 21वीं सदी भारत की सदी है। हमने उस नरेन्द्र से लेकर नरेन्द्र मोदी तक का सफर तय किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, 06 अप्रैल 1980 को भाजपा के गठन का मैं साक्षी रहा हूं जब दिल्ली के फिरोज़शाह कोटला मैदान में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ था।

भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल द्वारा शुरू किया गया सफर आज विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी तक पहुंच गया है।

कार्यक्रम में मंच संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी ने किया। इस दौरान मंच पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया और विधायक गोपाल शर्मा मौजूद थे।

पुष्कर में मोदी के भाषण में शब्दों का चयन उनके आत्मविश्वास का प्रतीक है या कुण्ठा का?

पुष्कर में मोदी ने कहा, कांग्रेस के घोषणा पत्र का हर पन्ना मुस्लिम लीग के सोच व मनस्थिति का प्रतिबिम्ब है, जो आजादी के पूर्व मुस्लिम लीग का था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अप्रेल। किसी मनुष्य, खासतौर पर किसी राजनेता द्वारा चयनित शब्द उसके चरित्र व आत्मविश्वास को परिलक्षित करते हैं। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र की प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सावधानीपूर्वक चयन किए गए शब्द क्या उनके आत्मविश्वास को दर्शाते हैं अथवा निराशा को?

उपरोक्त जिज्ञासा का एक निर्णायक उत्तर देना किसी भी तरीके से कोई आसान काम नहीं हैं, लेकिन देश की कार्यपालिका के सर्वोच्च पद पर बैठे मोदी द्वारा चयनित शब्दों व उनका आशय राष्ट्रदूत के पाठकों को इस संदर्भ में अपने-अपने निर्णय पर पहुँचने में मदद करता है। कांग्रेस पर भारी प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उसका चुनाव घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है और उसका प्रत्येक पृष्ठ भारत के टुकड़े करने की बू आती है।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के अजमेर में शनिवार को एक रैली को संबोधित करते हुए अपने प्रिय हिन्दू-मुस्लिम विशेषण का प्रयोग किया। उधर कांग्रेस भी निकवर्ती जयपुर में अपने चुनाव घोषणा पत्र को एक कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से जारी कर रही थी। मोदी ने कहा कि चुनाव घोषणा पत्र में कांग्रेस की सोच स्वतंत्रता के पहले की मुस्लिम लीग की सोच से मेल खाती है।

मोदी ने आर.एस.एस. विचारधारा की पुस्तकों, जिनमें मुस्लिमों और वामपंथियों को हिन्दुओं का दुश्मन बताया गया है, से सबक लेते हुए कहा कि ''कांग्रेस आज के भारत में तत्कालीन मुस्लिम लीग की अवधारणा को थोपना चाहती है और घोषणा पत्र में जो बचा खुचा हिस्सा था उस पर वामपंथी हावी हो गए हैं।

यह दावा करते हुए कि आज कांग्रेस के पास न नीतियां बची हैं, न सिद्धान्त। ऐसा लगता है कांग्रेस सब कुछ ठेके पर दे चुकी है। उसने सब कुछ आउटसोर्स कर दिया है। फिर उन्होंने यह पूछा कि ऐसी पार्टी क्या ऐसा कोई काम कर सकती है जो देश हित में हों। इस पर जनता ने जोर से ''ना'' कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ''यदि आप कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को देखें तो यह स्पष्ट है कि वह भारत को पिछली शताब्दी में धकेलना चाहती है। कांग्रेस ने ''नारी शक्ति'' की परवाह कभी नहीं की। स्वतंत्रता के बाद कई पीढ़ियों तक महिलाएँ परेशान रही हैं। क्या ऐसी कांग्रेस को दण्ड नहीं दिया जाना चाहिए? आगामी 19 अप्रेल को अपने वोट का इस्तेमाल कर कांग्रेस को दण्डित करें। प्रधानमंत्री इस दौरान सहज रूप से यह भूल गए कि कोई महिला अब तक भाजपा की अध्यक्ष नहीं बनी है।

एल.पी.जी. सिलैण्डर, नल के पानी, गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ना केवल महिलाओं की बल्कि उन बच्चों की भी परवाह करती है, जिनका अभी जन्म होना है।

- मोदी ने कहा, ''कांग्रेस उस समय, विभाजन व आज़ादी से पूर्व, जो मुस्लिम लीग का सोच था उसे अब आज़ाद देश पर लादना चाहती है।''
- मोदी के अनुसार, इसके बाद जो स्थान घोषणा पत्र में बचा है, वह साम्यवादियों व वामपंथी विचारधारा से प्रेरित है।
- इसी लय में प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने अब सोच, चिंतन सब कुछ आऊटसोर्स कर दिया है। क्या पार्टी कभी भी ऐसा कुछ करेगी, जो देश के हित में है।
- परन्तु, प्र.मंत्री के विरोधियों व आलोचकों का मानना है कि, मोदी के शब्दों का चयन उनकी असुरक्षा की भावना से प्रेरित था, इस भावना के कारण वे आक्रामक शैली अपनाते हैं, अतः उनका सोच अन्ततोगत्वा हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण पर आकर ही टिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ''मेरी बहादुर बेटियां सेना की नौकरी नहीं कर सकती थी। मोदी ने उनके लिए इसके दरवाजे खाले दिए। मैंने सैनिक स्कूल्स के दरवाजे खोले। हमने महिलाओं के लिए छह माह का मातृत्व अवकाश सुनिश्चित किया और विधानमण्डलों में हमारी माताओं और पुत्रियों के आरक्षण के लिए कानून पास किया। मुझे इस बात का गर्व है कि हमारे ग्रामों की महिलाएँ, जो साइकिल तक नहीं चला सकती थीं, आज ड्रोन्स उड़ा रही हैं और इसरो के प्रोजैक्ट्स का भी संचालन कर रही हैं।''

उन्होंने आगे कहा कि ''आप सोचेंगे कि बहुत कुछ कर लिया गया है, लेकिन मैं आपको मेरे मन की बात बताऊं। यह सब कुछ तो मात्र एक ट्रेलर है। हम हमारे देश को और भी आगे ले जाएंगे। हमें वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना है।''

अजमेर और देश के अन्य भागों में हुई रैलियों में मोदी के संबोधन में किया गया शब्दों का चयन किसी भी अर्थों में एक विश्वस्त नेता का आत्मविश्वास नहीं प्रदर्शित करता। वह आर.एस.एस. की परम्परागत विषय वस्तु पर लौट आए हैं और प्रत्येक मुद्दे का आकलन हिन्दू-मुस्लिम दृष्टिकोण से करते हैं।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए कहा कि वह इतिहास नहीं जानते और ध्यान दिलाया कि जन संघ के संस्थापक एवं भाजपा के सिद्धान्तकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1940 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम लीग के साथ बंगाल की गठबंधन सरकार का हिस्सा थे।

राज्यसभा चुनाव नतीजों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में महाजन विजयी रहे थे। हिमाचल में सिंघवी के राज्यसभा चुनाव हारने के कई हफ्तों बाद इस मामले में याचिका दायर की गई है। पर्चियाँ निकालने की प्रक्रिया में प्रत्याशी का चुनाव संयोग पर आधारित होता है और राज्यसभा और लोकसभा चुनाव के नतीजे ड्रा रहने पर निर्णय करने के तरीके में इस सूक्ष्म अंतर को चुनाव आयोग के एक पूर्व अधिकारी ने समझाते हुए बताया कि, राज्यसभा चुनावों में जिस प्रत्याशी की पर्ची निकलती है वह चुनाव हार जाता है जबकि लोकसभा चुनाव में जिसकी पर्ची निकलती है वह जीत जाता है।

सिंघवी ने याचिका दायर करने के बाद शिमला में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि ''विधि अथवा नियमों में ऐसा कुछ नहीं है, जिसके तहत यह व्याख्या करने के लिए बाध्य होना पड़े कि पर्चियों में जिसका ड्रा निकला है, वह हारा हुआ प्रत्याशी है।'' हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के 40 विधायक हैं और उसे तीन निदर्लीयों का भी समर्थन प्राप्त है, लेकिन दोनों प्रत्याशियों को 34-34 वोट मिले, क्योंकि कांग्रेस के छह बागियों और तीन निर्दलीयों ने भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन को वोट दिया था।

राज्यसभा चुनाव में हुई हार के बाद हिमाचल में कांग्रेस के समक्ष संकट उत्पन्न हो गया था। चुनाव संचालन नियमों में लोकसभा और राज्यसभा दोनों के चुनावों के लिए पर्चियाँ निकालने का प्रावधान है।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी

नयी दिल्ली, 06 अप्रेल। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसोदिया न्यायिक हिरासत में हैं और उन्हें राउज़ एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया गया।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को सबसे पहले 26 फरवरी 2023 को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने और बाद में नौ मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने दोनों मामलों में उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया था। शीर्ष अदालत द्वारा जमानत से इन्कार के खिलाफ दायर सिसोदिया की समीक्षा याचिका भी खारिज कर दी गई थी। उनकी क्यूरेटिव याचिकाएं भी खारिज हो चुकी हैं।

आप नेता संजय सिंह (जमानत पर बाहर) भी सिसोदिया के मामले की कार्यवाही के दौरान अदालत में पेश हुए। भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता के वकील ने भी उनके मामले का उल्लेख किया। वकील नितेश राणा ने कल के आदेश का उल्लेख किया, जिसमें सी.बी.आई. को के. कविता से न्यायिक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने मनीष सिसोदिया की ओर से दायर दूसरी जमानत याचिका पर भी सुनवाई की। ई.डी. की ओर से पेश विशेष वकील जोहेब हुसैन ने बताया कि, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर पहले ही ई.डी. मामले में दलीलें दे चुके हैं।

लालू यादव के खिलाफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए नई चुनौती पेश कर दी है।

आज जारी कोर्ट का आदेश चार्जशीट पर आधारित है इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के महोबा स्थित एक फर्म के कारोबारी जिसका नाम राजकुमार शर्मा था, उसने वर्ष 1995 से 1997 के बीच में ग्वालियर की तीन फर्मों से हथियार व कारतूत खरीदे थे। इनको उस समय बिहार में बेचा गया था।

लालू प्रसाद यादव भी उन लोगों में से एक थे जिन्होंने इन हथियारों को बिहार में खरीदा था। पुलिस का यह विश्वास है यह वही लालू प्रसाद है जो बिहार के मुख्यमंत्री थे। यही वह कारण है जिसकी वजह से एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट ने इस केस की सुनवाई की थी। पुलिस ने इस मामले में आरोप पत्र जुलाई 1998 में कोर्ट में दाखिल कर दिया था।

एक मजेदार तथ्य यह है कि अप्रैल 1998 के पूर्ववर्ती पंचनामा में लालू प्रसाद यादव के पिता का नाम कुंद्रिका सिंह दर्ज किया था। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के पिता का वास्तविक नाम कुंदन राय है। भगोड़े दोषियों के नामों की सूची, जिसे कोर्ट में पेश किया गया है, उसमें लालू प्रसाद यादव के पिता के नाम का उल्लेख नहीं है।

इस वाद में शामिल अन्य आरोपियों के नामों के साथ उनके पिता के नामों और उनके शहरों का भी उल्लेख किया गया है।

यह केस महोबा में शर्मा आर्म्स स्टोर के राजकुमार शर्मा द्वारा फर्जी फॉर्म नं. 16 का प्रयोग करके हथियार क्रय करने से संबंधित मामला है।

धोखाधड़ी करके जो ये हथियार खरीदे गये थे इनमें 315 बोर की 16 राइफल्स, 12 बोर की दुनाली 20 राइफल्स और एनपी बोर राइफल 20140 कारतूस थे। यह धोखाधड़ी की घटना 23 अगस्त 1995 से 15 मई 1997 के दौरान हुई थी। बिहार में जिन 23 व्यक्तियों ने इन हथियारों की अवैध रूप से खरीद की थी उनमें पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भी शामिल थे। इस समय, जो यह केस चल रहा है वह छ: अलग-अलग व्यक्तियों के खिलाफ जबकि इनमें से 2 आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है और शेष 15 भगोड़े हैं।

मध्य प्रदेश व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गोवा में उत्तर गोवा लोक सभा सीट के लिए रमाकांत क्लब तथा दक्षिण गोवा लोकसभा सीट के लिए कैप्टन विरियाटो फर्नांडीस को टिकट दिया गया है। मध्य प्रदेश में मुरैना से सत्यपाल सिंह शिकारवार (नीतू), ग्वालियर से प्रवीण पाठक, खंडवा से नरेंद्र पटेल, दादर नगर हवेली (अजजा) से अजीत रामजी भाई महला को टिकट दिया गया है।

बाड़मेर-जैसलमेर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फोटो का उपयोग कर भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी के स्थान पर स्वंय (रविन्द्र सिंह भाटी) को वोट देने का अनुरोध किया गया है। रविन्द्र सिंह भाटी ने इस आपत्तिजनक पोस्टर में ''मैं हूं मोदी का परिवार'' अंकित किया है, जबकि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय ही रविन्द्र सिंह भाटी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निष्कासित कर दिया था।

केरल बम विस्फोट में तीन माकपा कार्यकर्ता गिरफ्तार

कन्नूर, 06 अप्रेल। केरल में कुथुपरम्बा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) केवी वेणुगोपाल के नेतृत्व में विशेष जांच दल ने पन्नूर बम विस्फोट मामले की जांच कर रही है, जिसने शनिवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के तीन और कार्यकताओं को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को देशी बम बनाते समय हुए विस्फोट में माकपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। पुलिस ने गिरफ्तार माकपा कार्यकर्ता शिबिन लाल के साथ सबूत जुटाने के तहत सुबह पन्नूर के पास मुलियाथोड के आसपास के इलाकों में छापेमारी की और दुर्घटना स्थल के पास मुलियाथोड से सात और स्टील बम बरामद किए। पुलिस ने कहा, जिन तीन माकपा कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया है उनमें, चेंदयाद का अरुण, कुन्नोथुपरम्बा का अथुल और चेरुपराम्बा का शिबिन लाल शामिल है।

'ब्रह्माजी विश्व के निर्माता हैं और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा, अजमेर के भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी व नागौर की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा भी तथा क्षेत्रीय विधायक व नेता भी मौजूद थे।

सभा में शिरकत करने आईं महिलाओं को मोदी ने धन्यवाद दिया। फिर मोदी ने ''4 जून 400 पार'' के नारे लगवाए और पिछली सरकारों पर तंज करते हुए कहा कि, हमारे देश में जोड़-तोड़ वाली सरकार चल रही थी, कांग्रेस के समय में गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा इनका जीना मुश्किल कर दिया था। देश में जागरूक लोगों ने पूर्ण बहुमत वाली सरकार दी।

प्रधानमंत्री ने उपस्थितजनों से कहा कि, 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को कमल का बटन दबा कर कांग्रेस को सजा देने का समय आ गया है। अभी तक हमने जो कुछ किया है वह तो ट्रेलर है, देश को बहुत आगे ले जाना है। हमें 2047 तक भारत को विकसित देश और आत्मनिर्भर देश भी बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, मोदी एक सामान्य परिवार से उठ कर यहां तक आया है। मोदी भी आपकी तरह गर्मी में झंडा लगाया करता था कुर्सियां लगाया करता था। देश के बड़े-बड़े नामदार इस काम दार को गाली देते हैं। देश के आम लोगों को लूटने को यह लोग अपना खानदानी काम समझते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 10 साल में हमने 30 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा गरीबों के खाते में सीधे भेजे हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब जो भी पैसा सरकार द्वारा भेजा जाता था, वो बीच में ही लूट लिया जाता था। कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि, दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं तो गरीबों तक 15 पैसा ही पहुंचता है, तो वो कौन सा पंजा है जो बीच में से रुपया मार लेता है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि, कांग्रेस ने 10 करोड़ से ज्यादा ऐसे फर्जी लाभार्थी बना रखे थे, जो पैदा नहीं हुए, इन फर्जी लाभार्थियों के नाम पर आपके हक का पैसा सीधे जा रहा था, मैंने जांच एजेंसियों को खुली छूट दी है। कांग्रेस के एक सांसद के यहां से 300 करोड़ से ज्यादा नकद मिला है। आप कल्पना कर सकते हैं 300 करोड़ नकद, इसे गिनते-गिनते मशीन थक जा रही थी। कांग्रेस का घमंडिया गठबंधन मोदी से परेशान है, इसलिए मोदी को गाली देता है, लेकिन कांग्रेस के लोग समझ लें, आप जितना कीचड़ उछालोगे उतना ही कमल खिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, अजमेर में भागीरथ चौधरी को एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है, नागौर में मेरी छोटी बहन ज्योति मिर्धा को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है, दोनों के लिए वोट मोदी के लिए वोट समझना।

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने जनसभा में मौजूद लोगों से पूछा कि, मेरा एक काम करोगे। आप घर-घर जाकर मेरा ये काम करोगे या नहीं। लोगों के हां कहने पर मोदी ने कहा, आप घर-घर जाकर सबको कहना मोदी ने प्रणाम भेजा है।

पुष्कर की इस सभा में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्य मंत्री दीया कुमारी और प्रेमचन्द बैरवा, भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी, ज्योति मिर्धा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लाम्बा, अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, पुष्कर पालिका अध्यक्ष कमठ पाठक, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, कन्हैया लाल चौधरी व अल्का गुर्जर सहित कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

अग्निवीर योजना से मोदी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि बीते दिन चूरू में प्रधानमंत्री मोदी सेना के जवानों को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे। प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार ने आम जन को बेहतर इलाज देने के मकसद से चिरंजीवी योजना शुरू की थी, जिसमें 25 लाख का इलाज मिल रहा था, लेकिन सरकार बदलते ही बीजेपी ने यह योजना भी बंद कर दी।

सचिन पायलट न सोनिया गांधी, खड़गे और प्रियंका गांधी का जयपुर आने पर अपनी तरफ से और जनता की तरफ से अभिनंदन किया और कहा, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि हमारे घोषणा पत्र, जिसको कल हम लोगों ने दिल्ली में मुख्यालय पर औपचारिक रूप से जनता को प्रस्तुत किया था, को आज जयपुर के माध्यम से पूरे देश भर में जनता तक पहुंचाने के इरादे से आप यहां आए हैं। पायलट ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि चुनाव एक व्यक्ति नहीं लड़ रहा। यह चुनाव एक दल नहीं लड़ रहा। यह चुनाव दो विचारधाराओं का है और 10 साल से देश में जो वातावरण बना है, केंद्र की सरकार ने हमारी संवैधानिक संस्थाओं को नीतिगत तरीके से कमजोर किया है।

पायलट बोले कि मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी और खड़गे जी ने पहली बार एक घोषणा की है कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो हम किसानों को एमएसपी की लीगल गारंटी देंगे। इससे किसानों को एक कानूनी अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा जो घोषणा पत्र है, उसमे महिला, नौजवान, श्रमिक हर वर्ग को साधने की कोशिश हुई। यह चुनाव देश के लिए निर्णायक चुनाव है। मैं आप सब लोगों से आ ान करना चाहता हूं कि कांग्रेस कार्यकर्ता के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हमारी सोच, हमारी विचारधारा, हमारा घोषणा पत्र जन जन तक पहुंचे।

पायलट ने जीत का मंत्र देते हुए कहा, ''चुनाव बूथ पर नहीं लड़ेंगे तो कामयाब नहीं होंगे। विधानसभा चुनाव में थोड़ी कमी रह गई ,हम सरकार नहीं बना पाए, लेकिन दोबारा हम लोगों को मौका मिला है। राजस्थान में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस जीतेगी तो पूरे देश में संदेश जाएगा।'' पायलट ने कहा कि 2004 में भाजपा ने घमंड और अहंकार में प्रचार किया था। इंडिया शाइनिंग का नारा दिया। 20 साल बाद वही होगा, जब सोनिया जी के नेतृत्व में 2004 में कांग्रेस की सरकार बनी थी, 2024 में भी पलटवार होगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ यही कह रहे हैं कि कांग्रेस ने पिछले 70 सालों में क्या किया?, जबकि हम कह रहे हैं कि पिछले 70 साल में कांग्रेस ने जो भी काम किया है, हम उसका हिसाब

प्र.मंत्री मोदी आज बिहार व पश्चिम बंगाल के दौरे पर

नयी दिल्ली, 06 अप्रेल। आम चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव सभाओं को संबोधित करेंगे।

भाजपा द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, मोदी रविवार को दोहपर 12 बजे बिहार में नवादा में जनसभा को संबोधित करेंगे और उसके बाद पश्चिम बंगाल में जलपाईगुड़ी में पार्टी द्वारा 3.15 बजे आयोजित दूसरी चुनाव सभा में भाग लेंगे। नवादा और जलपाईगुड़ी सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। नवादा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सभा सांसद विवेक ठाकुर को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर कुल आठ प्रत्याशी हैं। अनुमान है कि भाजपा का मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) के सरवन कुशवाहा से होगा। इस सीट पर बहुजन समाज पार्टी ने रंजीत कुमार को उतारा है।

महाराष्ट्र में बारामती सीट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से राष्ट्रीय स्तर पर शिफ्ट हो जाती है।''

भाजपा के द्वारा अपनी कहानी को बदलने का एक कारण यह है कि पार्टी शरद पवार के पक्ष में बन रही सहानुभूति की लहर को नकारना चाहती है जो कि अपने दशकों पुराने राजनीतिक कैरियर के दौरान पहली बार चुनावों में एक बड़ी चुनौती के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। बुजुर्ग पवार 82 साल की उम्र में अपने संगठन को दुबारा खड़े करने की मुश्किलों से जूझ रहे हैं और उनकी बेटी सुले भी चुनावों में विजय सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं और वो एक बार फिर से मैदान में उतर गए हैं।

अजित पवार के लिए भी बारामती सीट से चुनाव जीतना काफी महत्वपूर्ण है ताकि वो महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी पकड़ फिर से मजबूत कर सकें। चुनावी तौर पर अजित पवार की नेतृत्वशीलता का अभी परिक्षण होना शेष है। बारामती पवार परिवार का मैदान होने के कारण वहाँ के लोगों की पहुँच व भावनाओं का संबंध बहुत उच्च स्तर का है, इसे अपने पक्ष में करने के लिए न तो सुले और न ही सुनेत्रा कोई कोर कसर बाकी छोड़ रही हैं।

बारामती के सभी छ: खण्डों में प्रत्येक राजनीतिक परिवार और गैर राजनीतिक परिवारों को दोनों चुनावी पक्षों द्वारा भयंकर रूप से अपने पक्ष में आकर्षित करने की कोशिश की गई है।

भाजपा भी बारामती के चुनावों में अजित पवार गुट के लिए समर्थन जुटाने हेतु हर संभव कोशिश कर रही है। फड़नवीस ने भाजपा के हर्षवर्धन पाटिल थे साथ, बारामती की इंदापुर विधानसभा सीट से एक रैली के साथ अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में पाटिल, संयुक्त नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के दत्तात्रेय भरणे से इंदापुर सीट पर हार गए थे। ज्ञातव्य है कि पाटिल, अजित पवार के प्रतिद्वंदी हैं लेकिन, फड़नवीस ने उनको अपने मतभेदों को भुलाकर, अपने लिए प्रचार करने के लिए राजी कर लिया है।

फड़नवीस ने राष्ट्रीय समाज पक्ष (आर.एस.पी.) प्रमुख महादेव जानकर का सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में रहना सुनिश्चित कर लिया है जिसे बारामती में धनगर वोट बैंक के अधिकांश मत सुनेत्र के पक्ष में जाएं। इसके बदले में भाजपा ने जानकार को परयानी सीट दी है। भाजपा ने इसी दौरान अपनी आतंरिक बैठकों में अपने कार्यकर्ताओं से बारामती चुनाव अभियान को मोदी पर केन्द्रित करने का अनुरोध किया है। राज्य पार्टी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा, ''हमको अपने अभियान में, तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी को प्रमुखता से प्रतिबंतित करना है, चाहे पार्टी या उम्मीदवार कोई भी हो। प्रत्येक सीट, प्रत्येक उम्मीदवार की लड़ाई, मोदी के लिए है।''

महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों के लिए 19 अप्रेल से 20 मई तक पांच चरणों में मतदान होंगे। बारामती में 7 मई को मतदान होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908